वार्षिक पाठ्यक्रम
सत्र: 2025-26
कक्षा: VI
विषय: सामाजिक विज्ञान

अध्याय	पाठ्यचर्या लक्ष्य	पाठ्यचर्या योग्यता	अधिगम संप्राप्ति	सुझावात्मक गतिविधियाँ
अध्याय 1: पृथ्वी पर स्थानों की स्थिति	**CG-1** मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं से संबंधित स्रोतों को समझता और अर्थपूर्ण व्याख्या करता है।	C1.2 मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं से संबंधित डेटा को पाठ, तालिकाओं, चार्ट, आरेखों और नक्शों के रूप में प्रस्तुत और विश्लेषण करता है।	• शिक्षार्थी नक्शों पर दिशाओं, अक्षांश, देशांतर, निर्देशांक, समय क्षेत्र और अंतरराष्ट्रीय तिथि रेखा की अवधारणा को समझाते हैं।	• कक्षा में ग्लोब के मॉडल का अवलोकन किया जा सकता है। • ग्लोब पर अक्षांश और देशांतर ढूंढना। • पृष्ठ संख्या 12 पर "आइए अन्वेषण शीर्षक के तहत दिया गया खेल खेलें। • दो स्थानों के देशांतर मूल्य के आधार पर समय की गणना करें।
अध्याय 2: महासागर और महाद्वीप	**CG-6** संसाधनों के स्थानिक वितरण (स्थानीय से वैश्विक तक), उनके संरक्षण, प्राकृतिक घटनाओं और मानव जीवन के बीच परस्पर निर्भरता और उनके पर्यावरणीय प्रभावों को समझता है।	C-6.1 प्रमुख प्राकृतिक घटनाओं जैसे जलवायु, मौसम, महासागरीय चक्र, मिट्टी निर्माण, नदियों के प्रवाह और उनके स्थानिक वितरण की व्याख्या करता है। C-6.2 विभिन्न प्रकार की भू-आकृतियों, संसाधनों की उपलब्धता और जलवायु परिस्थितियों और परिवर्तनों के साथ विभिन्न आजीविका पैटर्न के अस्तित्व को स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक संदर्भों में सहसंबंधित करता है।	• शिक्षार्थी महाद्वीपों, महासागरों और द्वीपों की पहचान करते हैं और वहां उपलब्ध जीवन को समझते हैं।	• कक्षा में ग्लोब का अवलोकन किया जा सकता है। • पृष्ठ सं. 36 और 40 पर "आइए अन्वेषण करें" शीर्षक के अंतर्गत दी गई गतिविधि। • मानचित्र कार्य।
अध्याय 4: इतिहास की समयरेखा एवं उसके स्रोत	**CG-2** मानव सभ्यताओं में निरंतरता और परिवर्तन की प्रक्रिया को उनके संदर्भ और कुछ ऐतिहासिक घटनाओं के विशिष्ट उदाहरणों के माध्यम से समझता है।	C-2.1 अतीत में हुए प्रमुख परिवर्तनों और उनके समाज पर प्रभाव की व्याख्या और विश्लेषण करता है।	• शिक्षार्थी इतिहास में समय को मापते हैं और इतिहास के विभिन्न स्रोतों के साथ-साथ प्रारंभिक मानव जीवन की पहचान करते हैं।	• पृष्ठ सं. 63 और 66 पर "आइए अन्वेषण करें शीर्षक के अंतर्गत दी गई गतिविधि। • नजदीकी संग्रहालय की यात्रा।
अध्याय 5: इंडिया अथार्त् भारत	**CG-7** (क) भारत के समृद्ध अतीत और वर्तमान को समझना जिसमें इसकी गौरवशाली सांस्कृतिक एकता विविधता में, बहुलवाद, विरासत, परंपराएं, साहित्य, कला, वास्तुकला, दर्शन, चिकित्सा, विज्ञान और मानवता के लिए अन्य योगदान शामिल हैं, और (ख) भारत की	C-7.1 भारत की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक तत्वों, भाषाओं, कला, दार्शनिक विचारों, मूल्यों, वस्त्रों, व्यंजनों, परंपराओं, त्योहारों, व्यापार, वाणिज्य और स्वास्थ्य प्रथाओं जैसे आयुर्वेद और योग में समानताएं पहचानकर भारत की विविधता में एकता की व्याख्या करता है।	• शिक्षार्थी हमारे देश के नामकरण की मूल प्रक्रिया का वर्णन करते हैं।	• शिक्षार्थियों को हमारे देश के विभिन्न नामों का पता लगाने के लिए प्रोजेक्ट कार्य दिए जा सकते हैं। • पृष्ठ सं. 83 पर "आइए अन्वेषण करें" शीर्षक के अंतर्गत दी गई गतिविधि। • मानचित्र कार्य।

	भौगोलिक विविधता के बावजूद अन्य एकीकृत कारकों द्वारा भारतीय होने के महत्व और अर्थ की सराहना करता है।			
अध्याय 9: परिवार और समुदाय	**CG-4** सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संस्थानों के कार्य और उनके समाज पर प्रभाव और व्यक्ति और समूह इन संस्थानों को जिस तरह से आकार देते हैं, को समझता है।	C-4.2 व्यक्तिगत, समूह, समुदाय या सामान्य रूप से समाज पर सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संस्थानों के प्रभाव का आकलन करता है।	• शिक्षार्थी राष्ट्र के विकास में परिवार और समुदाय की भूमिकाओं, जिम्मेदारियों और महत्व का वर्णन करते हैं।	• पृष्ठ सं. 143 पर "आइए अन्वेषण करें" शीर्षक के अंतर्गत दी गई गतिविधि।
अध्याय 10: आधारभूत लोकतंत्र – भाग 1: शासन	**CG-8** भारत के संविधान के विकास की प्रक्रिया को समझता और सराहता है और भारतीय समाज में लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए इसके महत्व को बनाए रखता है।	C-8.3 स्थानीय स्वशासन की तीन स्तरोंकी कार्यप्रणाली को समझता है एवं जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को बनाए रखने में इसके महत्व की सराहना करता है।	• शिक्षार्थी शासन के विभिन्न स्तरों और विभिन्न हिस्सों को समझाते हैं। | शिक्षार्थी शासन के विभिन्न स्तरों और विभिन्न हिस्सों को समझाते हैं।	• सत्ता की साझेदारी की प्रक्रिया और महत्व पर कक्षा में चर्चा/ वाद-विवाद आयोजित किया जा सकता है।.
अध्याय 13: कार्य का महत्व	**CG-9** आर्थिक गतिविधियों की प्रक्रियाओं (उत्पादन एवं उपभोग, व्यापार एवं वाणिज्य) को समझता है।	C-9.1 व्यापार और वाणिज्य के प्रमुख तत्वों (वस्तु, उत्पादन, उपभोग और पूँजी) और व्यक्तिगत जीवन और समाज पर इसके प्रभाव को समझाता है।	• शिक्षार्थी आर्थिक और गैर-आर्थिक गतिविधियों के बीच अंतर करते हैं और सामुदायिक कार्य के महत्व को समझते हैं।	• कार्य के मूल्य पर चर्चा। • पृष्ठ संख्या 184 पर दी गई गतिविधि का रोल प्ले।

नोट:

- उपरोक्त वर्णित पाठ्यक्रम को 6 सितंबर 2025 तक पूर्ण करवा लिया जाए।
- **जहां तक संभव हो उभरा हुआ (एम्बोस्ड) मानचित्र का प्रयोग कीजिए।**
- मध्यावधि परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।

मध्यावधि परीक्षा

अध्याय	पाठ्यचर्या लक्ष्य	पाठ्यचर्या योग्यता	अधिगम संप्राप्ति	सुझावात्मक गतिविधियाँ
अध्याय 3: स्थलरूप एवम् जीवन	**CG-6** संसाधनों के स्थानिक वितरण (स्थानीय से वैश्विक तक), उनके संरक्षण, प्राकृतिक घटनाओं और मानव जीवन के बीच परस्पर निर्भरता और उनके पर्यावरणीय प्रभावों को समझता है।	C-6.2 विभिन्न प्रकार की भू-आकृतियों, संसाधनों की उपलब्धता और जलवायु परिस्थितियों और परिवर्तनों के साथ विभिन्न आजीविका पैटर्न के अस्तित्व को स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक संदर्भों में सहसंबंधित करता है।	• शिक्षार्थी विभिन्न भू-आकृतियों और स्थानों को उनकी विशेषताओं के साथ समझाते हैं।	• जिगसॉ विधि, क्विज और ऐसी अन्य गतिविधियाँ शिक्षार्थियों की बेहतर समझ के लिए उपयोग की जा सकती हैं।
अध्याय 6: भारतीय सभ्यता का प्रारंभ	**CG-2** मानव सभ्यताओं में निरंतरता और परिवर्तन की प्रक्रिया को उनके संदर्भ और कुछ ऐतिहासिक घटनाओं के विशिष्ट उदाहरणों के माध्यम से समझता है।	C-2.1 अतीत में हुए प्रमुख परिवर्तनों और उनके समाज पर प्रभाव की व्याख्या और विश्लेषण करता है।	• शिक्षार्थी प्रारंभिक शहरी सभ्यता (हड़प्पा) के महत्वपूर्ण नगरों की विशिष्ट विशेषताओं को समझाते हैं।	• हड़प्पा शहरों और वर्तमान शहरों के बीच समानताओं और अंतरों पर चर्चा। • भारत के राजनीतिक रेखा नक्शे पर हड़प्पा शहरों को ढूंढें और चिह्नित करें।
अध्याय 7: भारत की सांस्कृतिक जड़ें	**CG-7** (क) भारत के समृद्ध अतीत और वर्तमान को समझना जिसमें इसकी गौरवशाली सांस्कृतिक एकता विविधता में, बहुलवाद, विरासत, परंपराएं, साहित्य, कला, वास्तुकला, दर्शन, चिकित्सा, विज्ञान और मानवता के लिए अन्य योगदान शामिल हैं, और (ख) भारत की भौगोलिक विविधता के बावजूद अन्य एकीकृत कारकों द्वारा भारतीय होने के महत्व और अर्थ की सराहना करता है।	C-7.3 समुदायों और सामाजिक समूहों में भारत की समावेशिता की परंपरा और इसके सांस्कृतिक तत्वों के माध्यम से विश्व के विशाल हिस्सों में प्रभाव की सराहना करता है।	• शिक्षार्थी भारतीय समाज की विभिन्न जड़ों का पता लगाते हैं।	• श्वेतकेतु, नचिकेता का रोल प्ले। • गार्गी और याज्ञवल्क्य के बीच वाद-विवाद पर लघु नाटक।
अध्याय 8: विविधता में एकता या 'एक में अनेक'	**CG-7** (क) भारत के समृद्ध अतीत और वर्तमान को समझना जिसमें इसकी गौरवशाली सांस्कृतिक एकता विविधता में, बहुलवाद, विरासत, परंपराएं, साहित्य, कला, वास्तुकला, दर्शन, चिकित्सा, विज्ञान और मानवता के लिए अन्य योगदान शामिल हैं, और (ख) भारत की भौगोलिक विविधता के बावजूद अन्य एकीकृत कारकों	C-7.1 भारत की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक तत्वों, भाषाओं, कला, दार्शनिक विचारों, मूल्यों, वस्त्रों, व्यंजनों, परंपराओं, त्योहारों, व्यापार, वाणिज्य और स्वास्थ्य प्रथाओं जैसे आयुर्वेद और योग में समानताएं पहचानकर भारत की विविधता में एकता की व्याख्या करता है।	• शिक्षार्थी पहचानते हैं कि विविधता हमारे देश को विभिन्न खाद्य पदार्थों, वस्त्रों, कपड़ों और महाकाव्यों के माध्यम से कैसे समृद्ध करती है।	• भारत के विभिन्न हिस्सों में पाए जाने वाले त्योहारों, खाद्य पदार्थों की सूची बनाना। • "विविधता हमारे देश को समृद्ध करती है।" विषय पर वाद-विवाद अथवा खुली चर्चा सत्र का आयोजन।

	द्वारा भारतीय होने के महत्व और अर्थ की सराहना करता है।			
अध्याय 11: आधारभूत लोकतंत्र – भाग 2: ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय सरकार	**CG-8** भारत के संविधान के विकास की प्रक्रिया को समझता और सराहता है और भारतीय समाज में लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए इसके महत्व को बनाए रखता है।	C-8.3 स्थानीय स्वशासन की तीन स्तरोंकी कार्यप्रणाली को समझता है एवं जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को बनाए रखने में इसके महत्व की सराहना करता है।	• शिक्षार्थी ग्रामीण प्रशासन के कार्य का मूल्यांकन करते हैं।	अपने आसपास से कोई सार्वजनिक समस्या पहचानें और कक्षा में इसके समाधान के लिए चर्चा करें।
अध्याय 12: आधारभूत लोकतंत्र – भाग 3: नगरीय क्षेत्रों में स्थानीय सरकार	**CG-8** भारत के संविधान के विकास की प्रक्रिया को समझता और सराहता है और भारतीय समाज में लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए इसके महत्व को बनाए रखता है।	C-8.3 स्थानीय स्वशासन की तीन स्तरों की कार्यप्रणाली को समझता है एवं जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को बनाए रखने में इसके महत्व की सराहना करता है।	• शिक्षार्थी शहरी प्रशासन के कार्य का मूल्यांकन करते हैं।	• किसी सार्वजनिक समस्या और उसके समाधान को पहचानने के लिए एक नुक्कड़ नाटक का मंचन करें।
अध्याय 14: हमारे आसपास की आर्थिक गतिविधियाँ	**CG-9** आर्थिक गतिविधियों की प्रक्रियाओं (उत्पादन एवं उपभोग, व्यापार एवं वाणिज्य) को समझता है।	C-9.1 व्यापार और वाणिज्य के प्रमुख तत्वों (वस्तु, उत्पादन, उपभोग और पूँजी) और व्यक्तिगत जीवन और समाज पर इसके प्रभाव को समझाता है।	• शिक्षार्थी अर्थशास्त्र के प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों के बीच अंतर करते हैं।	• पृष्ठ संख्या 206 पर दी गई गतिविधि। • हमारे आसपास की आर्थिक गतिविधियों पर कक्षा चर्चा।

नोट:

- उपरोक्त वर्णित पाठ्यक्रम को 31 जनवरी 2026 तक पूर्ण करवा लिया जाए।
- **जहाँ तक संभव हो उभरा हुआ (एम्बोस्ड) मानचित्र का प्रयोग कीजिए।**
- वार्षिक परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
- वार्षिक परीक्षा में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया जाएगा।

वार्षिक परीक्षा 2026

Map Work

अध्याय 1: पृथ्वी पर स्थानों की स्थिति	भारत के आधुनिक शहर (नक्शा 1.5)
अध्याय 2: महासागर एवम् महाद्वीप	महाद्वीप और महासागर (नक्शा 2.3)
अध्याय 5: इंडिया अथार्त् भारत	भारत की प्रमुख नदियाँ (नक्शा 5.2) , महाजनपद (नक्शा 5.4)
अध्याय 6: भारतीय सभ्यता की प्रारंभ	हड़प्पा स्थल (नक्शा 6.3)